

नागशत पुं. (तत्.) इस नाम का एक प्राचीन पर्वत।

नागशुंडी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की ककड़ी।

नागशुद्धि स्त्री. (तत्.) मकान की नींव खोदते समय इस बात का ध्यान रखना कि कहीं पहला आघात सर्प के मस्तक या पीठ पर न पड़े क्योंकि ज्योतिष के अनुसार भादों, कुआर और कार्तिक में सर्प (राहु) का मुख पूर्व दिशा में, अगहन, पौस और माघ में दक्षिण दिशा में, फाल्गुन, चैत्र, वैशाख में पश्चिम दिशा में और ज्येष्ठ, आसाढ़, श्रावण में उत्तर दिशा में होता है, नाग के सिर में भवन निर्माण से स्वामी नाश, पृष्ठ की ओर निर्माण से पुत्र-स्त्री नाश, पुच्छ की तरफ निर्माण से अर्धनाश और सर्प के वक्ष-स्थल में निर्माण करना शुभ और क्षेत्र कारक होता है।

नागसंभव पुं. (तत्.) 1. सिंदूर 2. एक प्रकार का मोती, नागसंभूत।

नागसंभूत पुं. (तत्.) दे. नाग संभव।

नागसाहव्य पुं. (तत्.) हस्तिनापुर का एक नाग।

नागसुगंधा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की रास्ना या सुगंधित पौधा।

नागस्तोकक पुं. (तत्.) वत्सनाभ नामक विष।

नागस्फोता स्त्री. (तत्.) 1. नागदंती 2. दंतीवृक्ष

नागहनु पुं. (तत्.) नख नामक गंध द्रव्य।

नागहानी वि. (फा.) अचानक आकर उपस्थित होने वाला जैसे नागहानी मौत।

नागहों क्रि.वि. (फा.) 1. अचानक, अकस्मात् 2. कुसमय में।

नागांग पुं. (तत्.) हस्तिनापुर।

नागांगना स्त्री. (तत्.) 1. हथिनी 2. सर्पिणी, नागिन 3. नाग वंश की कन्या/स्त्री।

नागांचला स्त्री. (तत्.) नाग यष्टि, तालाब के बीचोबीच गड़ा हुआ लकड़ी या पत्थर का खंभा।

नागांजना स्त्री. (तत्.) 1. नागयष्टि 2. हथिनी।

नागांतक वि. (तत्.) नागों या हाथियों का अंत या नाश करने वाला 1. गरुड़ 2. मोर 3. हाथियों का शत्रु अर्थात् सिंह, नागाराति।

नागा वि. (तत्.) 1. नंगा 2. खाली, रीता पु. 3. शैव साधुओं का एक संप्रदाय जिसके साधु नंगे रहते हैं (तत्.) पुं. 1. असम देश की एक पर्वतमाला 2. एक अर्ध सभ्य जंगली जाति जो इस पर्वत माला में रहती है (तुर्की नागः) 1. जिस दिन व्यक्ति अपने काम पर उपस्थित न हुआ हो 2. छुट्टी का दिन 3. वह दिन जब कोई नित्य कार्य करना छूट जाए 4. असावधानी के कारण होने वाली चूक या व्यतिक्रम।

नागाख्य पुं. (तत्.) नागकेसर नामक सदाबहार वृक्ष और इसके सुगंधित फूल।

नागानंद पुं. (तत्.) हर्ष द्वारा रचित एक प्रसिद्ध नाटक।

नागानन पुं. (तत्.) 1. गजानन, गणेश 2. हाथी के जैसा मुँह वाला।

नागाभिभू पुं. (तत्.) महात्मा बुद्ध।

नागाराति वि./पुं. (तत्.) नागांतक, नाग या हाथियों का शत्रु 1. गरुड़ 2. मोर 3. सिंह।

नागारि पुं. (तत्.) दे. नागांतक।

नागार्जुन पुं. (तत्.) एक प्रसिद्ध बौद्ध चिंतक जो बौद्ध धर्म के प्रचारक थे, इन्होंने बौद्ध धर्म को दार्शनिक रूप दिया, इनका समय ईसा से लगभग 100 वर्ष पहले अथवा ईसवी पहली शती के आस-पास था 2. दरभंगा (बिहार) के एक प्रसिद्ध साहित्यकार (1911-1998 ई.)।

नागार्जुनी स्त्री. (तत्.) 1. दुग्धी नाम की एक घास जिसके तृण के दोनों ओर एक एक पत्ती होती है 2. थूहर जाति का छोटा पौधा जिसका दूध दमा या श्वास रोग में दिया जाता है 3. सारिता नाम की लता 3. जंगली नील 5. एक बड़ा पेड़ जो मध्य-प्रदेश, राजस्थान में पाया जाता है 6. दुधिया नाम की सफेद मिट्टी, खडिया मिट्टी 7. एक प्रकार का धान।